

04.08.17

पत्रावली पेश हुई, कबल चाही (अनुपस्थिति)
कबल चाही की का-का-का कावाण लंगर
गई लंगर कबल चाही उपस्थिति चाही,
अन्य काव-का का अलग-एक
अलग-एक के शारीर अलग-एक
पत्रावली कबल हुआ है का जा का
का ही लंगर एक ही है।